Assinment-Hindi Class VI

पाठ - 1 नव प्रभात (कविता) Reader

शब्द - अर्थ लिखो (in copy)

1. सुभग = भाग्यशाली
2. ताम्र = ताँबा
3. उज्ज्वल = उजला
4. रव = गुंजार, ध्वनि
5. कोंपल = वृक्ष की नई कोमल पत्ती
6. अरुण = सूरज
7. स्वर्णिम = सुनहरा
8. आलोक = प्रकाश करनेवाला
9. विहग = पक्षी
10. कंठ = गला

अति लघु प्र० उ० (in copy)

(क) इस कविता में किस समय का वर्णन है?
उत्तर :- प्रात: काल का वर्णन था।

(ख) 'सुभग सवेरा' से क्या तात्पर्य है?
उत्तर :- भाग्यशाली सुबह

(ग) 'नव प्रभात' कविता के कवि का नाम लिखिए।
उत्तर :- कवि का नाम सोहनलाल द्विवेदी है।

(घ) इनकी प्रमुख रचनाएँ कौन-सी है?
उत्तर :- भैरवी, कुणाल, चेतना, प्रभाती आदि।

लघु उत्तर लिखिए :- (in copy)

(क) इस कविता में कवि राही से क्या और क्यों करने के लिए कहते हैं?
उत्तर :- इस कविता में कवि राही से अपनी आँखें सोने के समान चमकती किरणों के जल में धो लेने को कहता है क्यों कि ऐसा करने से राही के मन का अंधेरा मिट जाएगा।

(ख) इस कविता का शीर्षक 'नव प्रभात' क्यों रखा गया है?
उत्तर :- शीर्षक 'नव प्रभात' इसलिए रखा गया है क्योंकि इसमें सुबह के समय सूरज की किरणें, हरियाली, पक्षियों का मधुर शोर और प्राकृतिक सौंदर्य से मनुष्य के मन में नई ऊर्जा का संचार हुआ है।

(ग) सवेरा होते ही प्राकृतिक दृश्यों में किस तरह के परिवर्तन देखने को मिलते हैं?
उत्तर :- सवेरा होते ही प्राकृतिक दृश्यों सूरज की किरणे आसमान में फैल जाती हैं। और टहनी-टहनी पर सुनहरा, ताँबा के समान कोंपले फूटी हुई हैं।

निम्न शब्दों के पर्यायवाची लिखो :-

जग = दुनिया, संसार
राही = पथिक, राहगीर
आँख = नेत्र, नयन
पक्षी = खग, विहग
प्रभात = भोर, प्रात:

रेखांकित शब्दों के उचित अर्थ लिखिए :-

(क) अंबर में तारे टिमटिमाते हैं। — आसमान
(ख) डाल में कोंपल फूटी। — टहनी
(ग) अपना मुख जल से धोलो। — पानी
(घ) कनक-किरण के जल में धोलो। — सोना
(ङ) अरुण किरणें अंबर में छूटी। — सूरज

'सु' उपसर्ग जोड़कर नए शब्द बनाइए तथा उनके अर्थ भी लिखिए।

कर्म = सुकर्म अच्छा काम
गंध = सुगंध अच्छी खुशबु
पुत्र = सुपुत्र अच्छा बेटा
मति = सुमति अच्छी बुद्धि
विचार = सुविचार अच्छा विचार

Scanned with CamScanner

पाठ - 2 (दो कलाकार)

निम्न शब्द - अर्थ लिखो :- (in copy)

शब्द	अर्थ
① बाढ़ पीड़ित	= बाढ़ से ग्रस्त
② उद्घाटन	= शुभारंभ
③ हड़बड़ाना	= आतुर होना
④ पांडित्याइन	= विदुषी
⑤ प्रदर्शनी	= नुमाइश
⑥ आवेश	= गुस्से से भरकर
⑦ हॉस्टल	= छात्रावास
⑧ शौक	= दिलचस्पी
⑨ अनाथ	= जिसके माता-पिता न हो
⑩ फ़रमाइश	= इच्छा ज़ाहिर करना

अति लघु उत्तर लिखिए :- (in copy)

(क) चित्रा की रुचि किसमें थी ?
उत्तर :- चित्रा की रुचि चित्रकला थी।

(ख) अरुणा किन लोगों के बच्चों को पढ़ाया करती थी ?
उत्तर :- चौकीदार, नौकरों, चपरासियों आदि के बच्चों को पढ़ाया करती थी।

(ग) तीन साल बाद अरुणा चित्रा को कहाँ मिली ?
उत्तर :- अरुणा चित्रा को प्रदर्शनी में मिला।

(घ) सच्ची कला क्या है ?
उत्तर :- दूसरों की सेवा करना सच्ची कला है।

लघु उत्तर दीजिए :- (in copy)

(क) चित्रा के लिए कैसी घटनाएँ कोई महत्व नहीं रखती थी ?
उत्तर :- चित्रा के लिए जब तक किसी घटना में कोई विषय न छिपा हो तब तक उसके लिए वह घटना कोई महत्व नहीं रखती थी।

(ख) पंद्रह दिन बाद जब अरुणा वापस आई तो उसकी नज़र किस तरह के चित्रों पर पड़ी ?
उत्तर :- पंद्रह दिन बाद जब अरुणा वापस आई तो उसकी नज़र चित्रा के द्वारा बाढ़ से पीड़ित लोगों के चित्र बनाए गई चित्रकला पर पड़ी।

(ग) किस दिन चित्रा को बाहर जाना था, उस दिन चित्रा को आने में क्यों देर हो गई ?
उत्तर :- जिस दिन चित्रा को बाहर जाना था, उस दिन चित्रा को आने में देर इसलिए हो गई क्योंकि उसने एक मरी औरत को देखा और उसके दोनों बच्चे बुरी तरह रो रहे थे, उस दृश्य को देखकर चित्रा उनका रफ स्केच बनाने लगी।

दिए गए संज्ञा शब्दों के भेद लिखो :- (in copy) (in Book)

चित्रा	= व्यक्तिवाचक	मौसी	= जातिवाचक
बिटिया	= जातिवाचक	अरुणा	= व्यक्तिवाचक
मुसकान	= भाववाचक, व्यक्ति वाचक	सच्चाई	= भाववाचक

कोष्ठक में दिए गए शब्दों को भाववाचक संज्ञा में परिवर्तित करके खाली जगह में भरें।

(क) मैं चली आऊँगी तो तुम सारी दुनिया की भलाई करने के लिए झंडा लेकर निकल पड़ना। (भला)
(ख) अरुणा को देखकर चित्रा को खुशी मिली। (खुश)
(ग) जब वह भारत लौटी तो उसके चेहरे पर अनोखी चमक थी। (चमकना)
(घ) अरुणा की बात सुनकर चित्रा को हँसी आ गई। (हँसना)
(ङ) अरुणा ने उन दो अनाथ बच्चों का बचपन सँवारा। (बच्चा)

संयुक्त व्यंजन और द्वित्व व्यंजन के प्रयोग से बने चार-चार शब्द लिखिए —

संयुक्त व्यंजन से बने शब्द = अच्छा, मट्ठा, आज्ञा, विदया, मात्रा
द्वित्व व्यंजन से बने शब्द = बट्टा, अम्मा, सच्चा, धब्बा, सम्मान

Scanned with CamScanner